अमर उजाला
amarujala.com
विश्व पर्यावरण दिवस आज
बरेली • शनिवार, 5 जून 2021
वर्ष 53 अंक 138 पृष्ठ : 18



Advt.

## अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ वाजिब दरों पर हो रहीं हैं कार्डियक बाईपास एवं वॉल्व सर्जरी

# पश्चिमी उ.प्र. का चुनिंदा कार्डियक सर्जरी एवं कार्डियोलाजी सेंटर है एसआरएमएस

**बरेली:** कार्डियक अरेस्ट फाउंडेशन के अनुसार भारत और दुनिया भर में दिल का दौरा पड़ने के घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। भारत में कम उम्र के लोग भी दिल की बीमारी की चपेट में आने लगे हैं। कोरोनरी आर्टरी बीमारी का इलाज ज्यादातर एन्जियोप्लास्टी या बाईपास सर्जरी या दवाओं से किया जाता है। कोरोनरी आर्टरी डिजीज के साथ साथ वॉल्व की बीमारी भी काफी आम है। इस बीमारी का इलाज वॉल्व रिपेयर या वॉल्व रिप्लेसमेंट की सर्जरी से किया जाता है बच्चों के दिल में पायी जाने वाली बीमारियों में दिल में छेद होना, काफी आम बीमारी है। जिसका इलाज भी ऑपरेशन से अथवा डिवाइस क्लोजर से किया जाता है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज पश्चिमी उ.प्र. के चुनिंदा कार्डियोलाजी सेंटर में प्रमुख स्थान रखता है। यहां अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ 24 घंटे कार्डियक मरीजों का उपचार किया जाता है। यहां कार्डियक सर्जरी के लिए विशेषज्ञ और अनुभवी डाक्टरों की टीम, कार्डियक ओटी, कार्डियक आई.सी.यू. एवं कैथ लैब जैसी सुविधायें उपलब्ध है। दिल्ली और लखनऊ के किसी भी कार्डियोलाजी सेंटर के मुकाबले यहां सर्जरी पर बेहद कम खर्च आता है। साथ ही यहां पर आयुष्मान योजना के जरिये आम लोगों को निशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध है। 19 वर्षों से एसआरएमएस का कार्डियोलॉजी सेंटर बरेली क्षेत्र एवं कुमायूं क्षेत्र में एक विशेष पहचान बना चुका है।

कार्डियक सर्जन डॉ. विकास दीप गोयल के कुशल नेतृत्व में सैकड़ों मरीज ओपन हार्ट सर्जरी, थौरेसिक एवं वस्कुलर सर्जरी कराकर पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके हैं।



डॉ. विकास दीप गोयल
एम.सी.एच. (कार्डियक सर्जरी)

- आयुष्मान योजना के अन्तर्गत हो रहे है नि: शुल्क दिल के ऑपरेशन
- दिल्ली एवं लखनऊ के मुकाबले इलाज पर खर्च है बेहद कम
- नियमित होती है ओपन हार्ट सर्जरी एंजियोप्लास्टी, एंजियोग्राफी
- समय रहते करानी चाहिए कार्डियक सर्जरी

**ये हैं दिल की बीमारियां-** हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर, एनजाइना, कोरोनरी धमनी की बीमारी, दिल की धड़कन अनियमित होना, एथेरोस्क्लेरोसिस, हार्ट वाल्व डिजीज, दिल में छेद, रूमैटिक हार्ट डिजीज, बाहरी धमनी की बीमारी, कार्डियोमायोपैथी, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज

### क्यों जाएं एसआरएमएस मेडिकल कालेज

विश्व स्तरीय डेडीकेटेड कार्डियक ओटी, आईसीयू एवं कैथ लैब की सुविधा ● विशेषज्ञ एवं अनुभवी कार्डियक सर्जन, कार्डियक ऐनेस्थेटिस्ट, पाफ्यूजिनिस्ट, कुशल पैरामेडिकल एवं नर्सिंग स्टाफ ● अनुभवी इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट विशेषज्ञों की उपलब्धता ● आयुष्मान भारत में निशुल्क कार्डियक सर्जरी

### हृदय के आपरेशन के बाद से स्वस्थ है

नवाबगंज के ज्योति जागीर निवासी पुलिस विभाग में कार्यरत नरोत्तम स्वरूप (55 वर्ष) सीने में दर्द से परेशान थे। पीजीआई लखनऊ और ऋषिकेश में वाल्व खराब होने की रिपोर्ट के साथ इसे बदले जाने की बात कही गई। लेकिन भरोसा होने की वजह से एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आपरेशन कराया। । जुलाई 2019 में वाल्व बदला गया। तब से कोई दिक्कत नहीं है। नरोत्तम कहते हैं, यहां कोई तकलीफ नहीं हुई। पूरा ख्याल रखा गया। इसी बदौलत आज वह स्वस्थ जीवन जी रहे हैं।

### दिल की बीमारी से मिली राहत

रामपुर निवासी मोहम्मद फारूख (65 वर्ष) को दो वर्ष पहले चक्कर के साथ छाती में दर्द की शिकायत हुई। एंजियोग्राफी और ईको में दिल में रसौली की जानकारी के साथ आपरेशन की सलाह दी गई। आपरेशन के लिए फारुख दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल गए। वहां भी आपरेशन की बात कही गई। लेकिन फारूख ने आपरेशन राम मूर्ति मेडिकल कालेज में कराना ज्यादा मुनासिब समझा। यहां डा.विकासदीप गोयल से मिले। आपरेशन कराया। फारूख कहते हैं कि आपरेशन के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

### बृजपाल के हृदय के खराब वाल्व का एसआरएमएस में सफल आपरेशन

बदायूं निवासी बृजपाल (65 वर्ष) को चलने में दिक्कत थी। सांस फूलती थी। चक्कर आते थे। दिल घबराता था। दो वर्ष पहले इमरजेंसी में एसआरएमएस मेडिकल कालेज में भर्ती होना पड़ा। यहां डा.विकासदीप गोयल ने वाल्व खराब होने और दिल की बीमारी की जानकारी दी। एक महीने बाद आपरेशन हुआ। अब पूरी तरह स्वस्थ बृजपाल दो माह में एक बार नियमित जांच के लिए एसआरएमएस पहुंचते हैं। वह यहां की सुविधाओं और इलाज को सबसे अच्छा बताते हैं। कहते हैं कि सभी ने पूरा सहयोग किया।

### दिल की 13 साल की तकलीफ दूर हुई

2007 में शाहजहांपुर निवासी राजीव गुप्ता (46) को दिल का दौरा पड़ा। इन्हें पीजीआई लखनऊ ले जाया गया। वहां एंजियोग्राफी हुई। लेकिन इसके बाद एक नस ब्लाक हो गई। इस पर स्टंट डाला गया। तीन वर्ष बाद फिर समस्या हुई। बरेली के एक अस्पताल में दिखाया। वहां एंजियोग्राफी में दूसरी नस ब्लाक होने पर फिर स्टंट डाला। 2017 में तीसरी नस ब्लाक होने पर फिर स्टंट डाला गया। छह महीने बाद समस्या फिर होने पर लोगों ने राम मूर्ति मेडिकल कालेज जाने की सलाह दी। यहां डा.विकासदीप गोयल ने बायपास सर्जरी की। अब कोई समस्या नहीं है।

### हृदय का वाल्व बदलने का हुआ आपरेशन, अब पूरी तरह स्वस्थ हैं

शाहजहांपुर निवासी किरन देवी (45 वर्ष) को सीने में दर्द होने की शिकायत थी। उन्होंने स्थानीय डाक्टरों को दिखाया। जांच में वाल्व खराब होने की जानकारी मिली। परिजन किरन देवी को एसआरएमएस मेडिकल कालेज लेकर आए। यहां डा.विकास दीप गोयल से मिले। उन्होंने भी जांच कर वाल्व बदलने के लिए आपरेशन की बात कही। पिछले वर्ष जुलाई में सफलता से आपरेशन हुआ। अब किरन देवी पूरी तरह स्वस्थ हैं और जांच के लिए नियमित एसआरएमएस आती हैं। वह कहती हैं कि राममूर्ति अस्पताल जैसी सुविधाएं कहीं नहीं।

**SRMS श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल, बरेली ✆ 9458704444 9412738650**